



गुकेश को कैडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में मिली पहली हार

पलवल

वर्ष: 3, अंक: 115, रविवार, 14 अप्रैल 2024 पृष्ठ: 12 मूल्य: 4 रुपये

RNI No. HARHIN/2021/81389

www.deshrojana.com

देश रोजाना

हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में प्रसारित हिन्दी दैनिक

बेबाक सच...



14 April

डॉ. बाबा साहेब भीमराव
भांडेकर जयंती
की शुभकामनायें

सोना (24 कैरेट)	चांदी
₹ 75,185.00 प्रति 10 ग्राम	₹ 855 प्रति 10 ग्राम

मौसम	सूर्योदय... 5:56 (बने)	सूर्यास्त... 6:46 (बने)
	35° (°2)	24° (°2)

चैत्र नवरात्रि छठवां दिन

मां कात्यायनी



देवी भागवत पुराण में ऐसी कथा मिलती है कि, ऋषि कात्यायन मां आदिशक्ति के परम भक्त थे। इनकी इच्छा थी कि देवी उनकी पुत्री के रूप में उनके घर पधारें। इसके लिए ऋषि कात्यायन ने वर्षों कठोर तपस्या की। इनके तप से प्रसन्न होकर देवी इनकी पुत्री रूप में प्रकट हुईं। कात्यायन की पुत्री होने के कारण माता कात्यायनी कहलायीं। सबसे पहले इनकी पूजा स्वयं महर्षि कात्यायन ने की थी। तीन दिनों तक ऋषि की पूजा स्वीकार करने के बाद देवी ने ऋषि से विदा लिया और महिषासुर को युद्ध में ललकार कर उसका अंत कर दिया इसलिए इन्हें महिषासुर मर्दनी के नाम से भी जाना जाता है। देवी कात्यायनी को ब्रजभूमि की अधिष्ठात्री देवी के रूप में भी जाना जाता है। ब्रजभूमि की कन्याओं ने श्रीकृष्ण के प्रेम को पाने के लिए इनकी आराधना की थी। भगवान श्रीकृष्ण ने भी देवी कात्यायनी की पूजा की थी। देवी कात्यायनी को मधुयुक्त पान अत्यंत प्रिय है। इन्हें प्रसाद रूप में फल और मिठाई के साथ शहद युक्त पान अर्पित करना चाहिए। माता कात्यायनी चार भुजाधारी हैं जिनमें इनके एक भुजा में शत्रुओं का अंत करने वाला तलवार है। दूसरी भुजा में पुष्प हैं जो भक्तों के प्रति इनके स्नेह को दर्शाते हैं। तीसरी भुजा अभय मुद्रा में है जो भक्तों को भय मुक्ति प्रदान कर रहा है।

माता कात्यायनी का पूजा मंत्र
चंद्र हासोज्ज वलकरा शार्दूलवर वाहना। कात्यायनी शुभंधा देवी दानव घातिनी॥

न्यूज Window
एफबीआई ने भारतीय भगोड़े पर रखा दो करोड़ का इनाम

एजेंसी, वाशिंगटन। एफबीआई ने भारतीय भगोड़े पर रखा 250000 डॉलर यानी 2 करोड़ का इनाम रखा है। आरोपी अमेरिका में पत्नी की हत्या के आरोप के बाद से फरार है। अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो ने भद्रेश कुमार चेतनभाई पटेल की गिरफ्तारी में मदद करने या जानकारी के लिए 2.1 करोड़ रुपये तक के इनाम की घोषणा की है। वह एफबीआई की टॉपटैन भगोड़ा में से एक है। चेतनभाई पटेल पर अपनी पत्नी पलक की हत्या करने का आरोप है, जब वे 2015 में हनोवर, मैरीलैंड में डॉकिन डोमटस में काम करते थे। उन्होंने कथित तौर पर दुकान के पीछे के कमरे में रसोई के चाकू से उस पर हमला किया, जिससे वह घायल हो गई। यह घटना रात की पाती में ग्राहकों की मौजूदगी में हुई और सीसीटीवी में कैद हो गई। फुटज में उसे, उस समय 24 वर्ष का, और उसकी पत्नी को हत्य से गायब होने से पहले रसोई क्षेत्र में जाते हुए दिखाया गया था।

तिरछी नजर
धर्मद्वेष



ये तो अभी से बिखर रही है, न जाने पांच साल कैसे काम करोगे इससे तुम।

बस्तर की जनसभा में राहुल गांधी ने कहा, एक झटके में मिटा दंगे गरीबी जितना 70 करोड़ लोगों के पास धन उतनी 22 लोगों की संपत्ति: राहुल

कहा कि हमारी सरकार आई तो महा लक्ष्मी योजना शुरू की जाएगी

एजेंसी, जगदलपुर

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बस्तर के लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आई तो महा लक्ष्मी योजना शुरू की जाएगी। हर परिवार से हम एक महिला को चुनेंगे। इसके बाद हर महीने बैंक खाते में साढ़े 8 हजार रुपए डाले जाएंगे। यानी एक साल में एक लाख रुपए मिलेंगे। इस तरह एक झटके में हम देश से गरीबी मिटा देंगे। कांग्रेस सांसद ने कहा कि



सरकारी सेक्टर में बंद होगी टेकेदारी प्रथा
देश के बेरोजगार युवाओं को एक साल के लिए नौकरी मिलेगी, ट्रेनिंग मिलेगी। एक साल बाद उनके अकाउंट में एक लाख रुपए जमा किए जाएंगे। अगर काम अच्छा रहा तो उनकी नौकरी परमानेंट हो जाएगी। एक तरह से वे जॉब मार्केट किसानों की कर्ज माफी का होगा। किसानों को सही दाम मिलेगा, वो भी कानूनी गारंटी के साथ। कांग्रेस सांसद ने ये भी वादा किया कि अमीर घरों के बच्चे काम करने से पहले एक साल की अप्रेंटिसशिप करते हैं। जिसके लिए उन्हें पैसा भी मिलता है। अब भी अप्रेंटिसशिप का अधिकार लाने जा रहे हैं। जिनके पास भी डिग्री, डिप्लोमा है, हम उन्हें अप्रेंटिसशिप का अधिकार देंगे।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा फायरिंग में दो लोगों की मौत

मरने वाले दोनों कुकी समुदाय के, लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद हुई पहली घटना

एजेंसी, इम्फाल

मणिपुर में 11 महीने उपद्रव जारी है। शनिवार को एक बार फिर हुई हिंसा में दो लोगों की मौत हो गई। पूर्वी इम्फाल और कांगपोकपी जिले के बीच मोइंगपुरल इलाके में हथियारबंद दो समूहों के बीच गोलीबारी हुई। बताया गया है कि जिन लोगों की मौत हुई, वे दोनों कुकी समुदाय से हैं। मरने वालों के

अमित शाह का दौरा कल
15 अप्रैल को गृह मंत्री अमित शाह का मणिपुर दौरा है। ऐसे में ताना हिंसा के कारण क्षेत्र में तनाव है। वहीं, 19 अप्रैल को पहले फेज में इनर और आउटर मणिपुर लोकसभा सीट के लिए वॉटिंग होगी है। केंद्र सरकार ने सुरक्षाबलों की तैनाती भी की है। इसके बावजूद हिंसा हो रही है।

नाम कमिन्गलाल लुफेंग (23), कामलेंगसेट लुकिम (22) दोनों की कांगपोकपी जिले के रहने वाले थे। लोकसभा चुनाव 2024 के चलते आचार संहिता लागू है, लेकिन बीते दो दिन से मणिपुर में अलग-अलग इलाकों में गोलीबारी हुई।

बहस के बाद यूट्यूबर लिव-इन जोड़े ने सातवीं मंजिल से लगाई छलांग, मौत

दोनों शूटिंग के बाद लौटे थे घर, किसी बात पर दोनों में हुई थी बहस

देश रोजाना ब्यूरो, चंडीगढ़

बहादुरगढ़ में एक लिव-इन जोड़े ने कथित तौर पर एक अपार्टमेंट की सातवीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी कर ली। वे दोनों यूट्यूबर थे। पुलिस के मुताबिक, उन दोनों के बीच झड़प हुई थी जिसके बाद उन्होंने यह कदम उठाया। बहादुरगढ़ शहर दिल्ली से सिर्फ 20 किलोमीटर की दूरी पर है।

जोड़े की पहचान 25 साल के गर्वित और 22 साल की नंदिनी के रूप में की गई है। यह दोनों कंटेंट क्रिएटर थे। वे अपना चैनल चलाते थे और यूट्यूब व फेसबुक जैसे प्लेटफार्मों के लिए शॉर्ट फिल्में बनाते थे। वे दोनों कुछ दिन पहले अपनी टीम के साथ देहरादून से बहादुरगढ़ पहुंचे थे। उन्होंने रहेला रेजिडेंसी की सातवीं मंजिल पर एक फ्लैट किराए पर लिया था। वहां वे अपने पांच साथियों के साथ रह रहे थे। पुलिस ने बताया कि, दोनों ने आज सुबह करीब 6 बजे आत्महत्या कर ली। वे शूटिंग के बाद देर से घर लौटे थे और उनके बीच किसी बात पर बहस हो गई थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश में जुटी है कि इस जोड़े ने अपना जीवन समाप्त करने जैसा कदम क्यों उठाया। फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और जांच करने के लिए मौके पर सबूत इकट्ठे किए।

भारत ने बांग्लादेश को सौंपी 56 एकड़ जमीन, मिली 14 एकड़

भारत और बांग्लादेश के बीच 1974 में जमीनों की अदला-बदली का हुआ था समझौता

एजेंसी, ढाका

भारत और बांग्लादेश के बीच 50 साल बाद जमीन की अदला-बदली हुई है। बांग्लादेश के लोगों ने इसे ईद का तोहफा बताया है। भारत ने बांग्लादेश को सीमावर्ती ठाकुरगांव के रानीशंकोई उपजिला की 56.86 एकड़ जमीन सौंपी है। इसके जवाब में भारत को भी बांग्लादेश से 14.68 एकड़ जमीन हासिल हुई है। भारत की ओर से बीएसएफ (बॉर्डर सिक्वैडिटी फोर्स) और

बांग्लादेश की ओर से बीजीवी (बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश) के बीच फ्लैग मीटिंग में जमीनों की अदला बदली हुई। भारत और बांग्लादेश के बीच 1974 में जमीनों की अदला-बदली का समझौता हुआ था, लेकिन रानीशंकोई को लेकर कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। बांग्लादेश को भारत से मिली जमीन अभी खास खातियां (सरकारी जमीन) कहलाएगी। इस जमीन में से 48.12 एकड़ खेती योग्य, 6.87 एकड़ चाय बगान व 1.87 नदी पेटा काबज की है। बीजीवी के केप्टन ले.कनल तंजीर अहमद का कहना है कि दोनों देशों के बीच जमीन की अदला-बदली सौहार्दपूर्ण तरीके से हुई है। हमें तो ईद का तोहफा मिल गया। इसके लिए हम बीएसएफ का शुक्रिया अदा करते हैं।

हमारी सरकार आई तो महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 50 प्रतिशत आरक्षण देंगे। आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय डबल करेंगे। राहुल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हमने किसानों को पैसा दिया, वही हम देश में करेंगे। जैसे ही हमारी सरकार आएगी, सबसे पहला काम किसानों की कर्ज माफी का होगा। किसानों को सही दाम मिलेगा, वो भी कानूनी गारंटी के साथ। कांग्रेस सांसद ने ये भी वादा किया कि अमीर घरों के बच्चे काम करने से पहले एक साल की अप्रेंटिसशिप करते हैं। जिसके लिए उन्हें पैसा भी मिलता है। अब भी अप्रेंटिसशिप का अधिकार लाने जा रहे हैं। जिनके पास भी डिग्री, डिप्लोमा है, हम उन्हें अप्रेंटिसशिप का अधिकार देंगे।

मोदी की मौजूदगी में भाजपा आज जारी करेगी संकल्प पत्र

मनिफेस्टो में पार्टी उन्हीं वादों को शामिल करेगी, जो पूरे किए जा सकें

देश रोजाना ब्यूरो, नई दिल्ली

भाजपा लोकसभा चुनाव 2024 के लिए रविवार (14 अप्रैल) को संकल्प पत्र जारी करेगी। दिल्ली स्थित भाजपा हेडक्वार्टर में चुनावी मनिफेस्टो जारी करने के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने चुनावी मनिफेस्टो के लिए 25 जनवरी 2024 को जनता से सुझाव मांगे थे। पार्टी को अब तक 15 लाख से ज्यादा सुझाव मिले। मीडिया रिवोटर्स के मुताबिक, नमो ऐप के माध्यम से चार लाख और वीडियो के माध्यम से 11 लाख सुझाव मिले हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, भाजपा



के घोषणा पत्र का विषय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ मोदी की गारंटी: विकसित भारत 2047 पर फोकस होगा। पार्टी संकल्प पत्र में केवल उन्हीं वादों को शामिल करेगी, जो पूरे किए जा सकें। घोषणा पत्र विकास, समृद्ध भारत, महिलाओं, युवाओं, गरीबों और किसानों पर केंद्रित होगा। मनिफेस्टो केमटी में चार राज्यों के सीएम समेत 27 सदस्य भाजपा ने 30 मार्च को लोकसभा चुनाव 2024 के लिए मनिफेस्टो केमटी का ऐलान किया था। केमटी में कुल 27 मंbers हैं।

मंडी से विक्रमादित्य सिंह और चंडीगढ़ से मनीष तिवारी को टिकट

लोकसभा चुनाव: कांग्रेस की 15वीं सूची में 16 नाम शामिल

देश रोजाना ब्यूरो, नई दिल्ली

कांग्रेस ने शनिवार 13 अप्रैल को उम्मीदवारों की सूची जारी की। कांग्रेस की यह 15वीं लिस्ट है। इसमें चंडीगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश और ओडिशा से 16 नामों का ऐलान किया। पूर्व मंत्री मनीष तिवारी को चंडीगढ़ से टिकट दिया गया है। मंडी से विक्रमादित्य सिंह को उतारा गया है। भाजपा ने मंडी से एट्टेस कंगना रणोट को टिकट दिया है। कांग्रेस अब तक 262 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर चुकी है।

कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री पी चिदंबरम ने कहा कि भाजपा नपी-तुली रणनीति के तहत विपक्ष को हिंदू विरोधी और पीएम नरेंद्र मोदी को हिंदूओं का रक्षक बता रही है। इस बार चुनाव में हमारी पार्टी 2019 की तुलना में अच्छा प्रदर्शन करेगी। कांग्रेस को पिछले लोकसभा चुनाव में 52 सीटें मिली थीं। चिदंबरम ने ये भी कहा कि इस चुनाव में मक्ता बनर्जी अहम रोल निभाएंगी। वे न केवल अपना किला बचाएंगी, बल्कि इंडिया गठबंधन को भी मजबूत करेंगी।

जिनके पास संसाधन, वे न्याय का कर रहे दुरुपयोग: सीजेआई

दो दिवसीय कांग्रेस में बोले चंद्रचूड़, एआई लोंगे के बीच गैप बना सकती है, लेकिन मौके भी देगी

देश रोजाना ब्यूरो, नई दिल्ली

बड़ा चैलेंज है। मुझे लगता है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) लोगों के बीच में एक गैप बना सकता है, लेकिन यह कुछ लोगों को गैप मौके भी देगा। इस कॉन्फ्रेंस का मकसद लीगल सिस्टम में टेकनोलॉजी और कानूनी प्रणाली के बीच की कनेक्टिविटी को समझना है। साथ ही कॉन्फ्रेंस

का फोकस भविष्य में एआई के रोल पर भी होगा

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि एआई ने लीगल रिसर्च को रोशनी करने में मदद की है। चैट जीपीटी के लॉन्च के साथ यह बात भी सामने आई है कि किसी निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए एआई पर भरोसा करना चाहिए या नहीं। एआई को लेकर लोगों के बीच में बहुत एक्ससाइटमेंट है, लेकिन हमें इसमें होने वाली गलतियों को लेकर भी चिंतित है। अपने इकोसिस्टम प्रोजेक्ट में हम सभी को एपीआई (एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस) की ओर बढ़ा रहे हैं।

केजरीवाल की याचिका पर सुप्रीमकोर्ट में कल होगी सुनवाई

देश रोजाना ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 15 अप्रैल को सुनवाई होगी। केजरीवाल ने फरार नीति केस में इंडी की गिरफ्तारी और रिमांड पर हाईकोर्ट के 9 अप्रैल के फैसले को चुनौती दी है। केजरीवाल ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ 10 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। उन्होंने मामले पर तुरंत सुनवाई और उन्हें जल्द से जल्द रिहा करने की मांग की थी। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच सुप्रीम कोर्ट में केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई करेगी।

भाजपा को सबसे ज्यादा चंदा देने वाली मेधा इंजीनियरिंग पर एफआईआर दर्ज

कंपनी पर सीबीआई ने लगाया कथित तौर पर अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप

देश रोजाना ब्यूरो, नई दिल्ली

हैदराबाद स्थित मेधा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के खिलाफ सीबीआई ने कथित तौर से रिश्वत देने के एक मामले में एफआईआर दर्ज की है। गौरतलब है कि कंपनी ने 9.66 करोड़ रुपये के चुनावी बॉन्ड खरीदे थे और वह इन बॉन्ड की दूसरी सबसे बड़ी खरीदार है।

तौर पर रिश्वत लेने के लिए नामित किया गया है। चुनाव आयोग के 21 मार्च को जारी आंकड़ों के अनुसार मेधा इंजीनियरिंग चुनावी बॉन्ड की दूसरी सबसे बड़ी खरीदार थी और उसने भाजपा को लगभग 586 करोड़ रुपये की सबसे अधिक राशि का दान दिया था। कंपनी ने बीआरएस को 195 करोड़ रुपये, डीएमके को 85 करोड़ रुपये और बाईएसआरसीपी को 37 करोड़ रुपये का दान दिया। टीडीपी को कंपनी से करीब 25 करोड़ रुपये मिले, जबकि कांग्रेस को 17 करोड़ रुपये मिले।

कनीना बस हादसे के बाद प्रशासन ने अख्तियार किया सख्त रवैया तीस की रफ्तार से ज्यादा नहीं दौड़ेगी स्कूल बसें

हालत

75 फीसदी निजी स्कूलों में आग से बचाव के नहीं कोई इंतजाम

देश रोजाना ब्यूरो, चंडीगढ़

हरियाणा में कोई स्कूल बस 30 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक रफ्तार से नहीं दौड़ाई जा सकेगी। न केवल निजी स्कूलों की बसों, बल्कि सरकारी स्कूलों में बच्चों को ले जा रहे वाहनों की भी जांच होगी। किसी रूट पर 20 से अधिक छात्र हुए तो रोडवेज की बसें लगाई जाएंगी।

किलोमीटर से अधिक दूर के स्कूल में जाने वाले बच्चों के लिए सरकार के स्तर पर वाहन की व्यवस्था की जाती है। निदेशों में कहा गया है कि शिक्षा विभाग के अधिकारी परिवहन

अधिकारी सख्ती से पालन करवाएंगे निर्देश

महेंद्रगढ़ के कनीना में हुए बस हादसे के बाद बड़ी संख्या में मामलों सामने आए हैं जिनमें छात्रों को सुरक्षित रखने के लिए स्कूल प्रबंधन द्वारा बसों और ड्राइवरों की उचित निगरानी नहीं की जाती है। इस कारण छात्रों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा होता है। ऐसे में सभी जिलों में पुलिस अधीक्षक, एसडीएम, आरटीए सचिव, जिला शिक्षा अधिकारी और खंड शिक्षा अधिकारी आदेशों का सख्ती से पालन करवाएंगे।

विभाग के सालाना बजट में हरियाणा के मान्यता प्राप्त 75 प्रतिशत निजी स्कूलों में आग से बचाव के इंतजाम नहीं हैं। साल 2017 में शिक्षा विभाग ने बच्चों की जांच सुनिश्चित कर एक सप्ताह के अंदर रिपोर्ट दें। स्कूल प्रबंधन समितियां सुनिश्चित करेंगी कि वाहन चालक पूरी तरह प्रशिक्षित हो। वह नशा न करता हो और पूरी तरह बेदाग हो।

संपादकीय

बेरोजगारी के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने

हरियाणा में बेरोजगारी कई सालों से एक बहुत बड़ा मुद्दा रहा है। जब भी लोकसभा और विधानसभा चुनाव हुए हैं, सरकारी नौकरियों और बेरोजगारी का मुद्दा उठाया जाता रहा है। पूर्ववर्ती सरकार से लेकर वर्तमान सरकार तक इस मुद्दे पर सकारात्मक तस्वीरें दिखाती रही हैं, लेकिन विपक्ष हमेशा इसे नकारता रहा है। इन दिनों भी बेरोजगारी एक बार फिर चर्चा में है। इसका कारण लोकसभा चुनावों में इस मुद्दे को भुनाकर अधिक से अधिक सीटों पर कब्जा जमाना है। कांग्रेस और इनके ने ने इस मुद्दे को लेकर भाजपा सरकार पर हमला तेज कर दिया है। विपक्ष का दावा है कि हरियाणा में बेरोजगारी की दर 27.9 प्रतिशत से भी अधिक है, जो राष्ट्रीय मानक से भी कहीं ज्यादा है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के रिपोर्ट पर विश्वास करें, तो हरियाणा में राष्ट्रीय औसत से तीन गुना ज्यादा बेरोजगारी है। राष्ट्रीय स्तर पर बेरोजगारी की दर 9.17 प्रतिशत है। प्रदेश सरकार इस बात को मानने को तैयार नहीं है।

प्रदेश में दो लाख पद खाली हैं और सरकार उन पर भर्ती नहीं कर रही है।

उसका दावा है कि प्रदेश में बेरोजगारी की दर पांच से छह फीसदी के बीच है। प्रदेश में बेरोजगारी की कितनी है, इसका अंदाजा सरकारी नौकरी के लिए आने वाले आवेदनपत्रों से लगाया जा सकता है। मनोहर सरकार के दौरान 5500 पदों पर कांस्टेबल भर्ती होनी थी, लेकिन इसके लिए साढ़े आठ लाख युवाओं ने आवेदन किया था। चतुर्थ श्रेणी के 18 हजार पदों के लिए 18 लाख युवाओं ने आवेदन किया था। इतना ही नहीं, एमडीयू रोहतक में सहायक प्रोफेसर के 112 पदों के लिए दस हजार बेरोजगारों ने अप्लीकेशन दी थी। प्रदेश सरकार का कहना है कि पिछले दस साल में 1.40 लाख युवाओं को रोजगार दिया गया है। इसके लिए कोई खर्ची और पचासी नहीं ली गई है। सरकार ने मेरिट के आधार पर योग्य युवाओं को भर्ती की। वहीं विपक्षी दलों का कहना है कि इस मामले में सरकार झूठ बोल रही है। प्रदेश में दो लाख पद खाली हैं और सरकार उन पर भर्ती नहीं कर रही है। सरकार ने यदि इन पदों पर भर्ती की होती, तो प्रदेश के युवाओं को अपना देश छोड़कर युद्धरत देश इजराइल में नौकरी करने के लिए नहीं जाना पड़ता। यह बात कुछ हद तक सही है कि प्रदेश में बेरोजगारी एक विकट समस्या का रूप धारण करती जा रही है। शहर और गांवों में बेरोजगारों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए प्रदेश सरकार को काफी प्रयास करने होंगे। सबसे पहले तो यहाँ देशी-विदेशी पूंजी निवेश को आकर्षित करके कल-कारखानों को खोलवाने की व्यवस्था करनी होगी। जब तक प्रदेश में उद्योग-धंधों का विकास नहीं होगा, तब तक बेरोजगारी की समस्या से निजात पाना संभव नहीं दिखता है। रिक्त पदों पर जल्दी से जल्दी सरकार को भर्ती भी करनी होगी।

बोधिवृक्ष

अशोक मिश्र

अत्याचारी शासक चीते से भी बुरा

जिन दिनों भारत में महात्मा बुद्ध और स्वामी महावीर जैसे समाज सुधारक और दार्शनिक अपने उपदेशों और वचनों से लोगों का कल्याण कर रहे थे, ठीक उन्हीं दिनों चीन में महान दार्शनिक कन्फ्यूशियस लोगों की अपने ज्ञान के बल पर उनकी अज्ञानता को दूर करने का प्रयास कर रहे थे। जिस समय कन्फ्यूशियस का जन्म हुआ था, उन दिनों चीन में झोऊ राजवंश का शासन था। बचपन में ही उनके पिता की मृत्यु हो गई थी। इसके चलते उन्हें ज्ञान हासिल करने के लिए काफ़ी परेशानी उठानी पड़ी। एक बार की बात है। वे अपने शिष्यों के साथ ताई नामक पहाड़ी से जा रहे थे। तभी उन्हें किसी महिला के रोने की आवाज सुनाई दी। वे उसके पास गए और पूछा कि तुम क्यों रो रही हो। उस महिला ने रोते हुए कन्फ्यूशियस से कहा कि चीते ने मेरे बेटे को मार डाला है। तब उन्होंने पूछा कि तुम्हारा बाकी परिवार कहाँ है? उस महिला ने रोते हुए बताया कि पिछले साल उसके पति और ससुर को चीते ने चीरफाड़ डाला था। यह सुनकर कन्फ्यूशियस आश्चर्यचकित हो गए। उन्होंने कहा कि आप यह स्थान छोड़ क्यों नहीं देती हैं? आपका पुत्र, पति और ससुर को इस इलाके में रहने वाले चीते ने मार डाला है। इसका मतलब अन्य लोगों को भी उस चीते ने शक्ति पहुँचाई होगी। उस महिला ने कहा कि हम लोग इस स्थान को इसलिए नहीं छोड़ सकते हैं कि क्योंकि यहाँ किसी अत्याचारी का शासन नहीं है। चीता हमला करके एक बार में ही मौत देता है, लेकिन अत्याचारी शासक तो हर पल मौत देता है। उसका हर अत्याचार एक मौत के समान होता है। तब कन्फ्यूशियस ने कहा कि महिला की बात बिल्कुल सही है। अत्याचारी शासक चीते से भी बुरा होता है। हमें यह बात याद रखना चाहिए।



news@deshtrojana.com

डे इज हिस्ट्री

14 अप्रैल 2024



14 अप्रैल 1991 को जन्मी अनीता हसनदानी फिल्म और टीवी अभिनेत्री हैं।

- 1865: अमरीका के 16वें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन को वाशिंगटन के 'फॉर्ड थिएटर' में गोली मार दी गई। उन्होंने अगले दिन सुबह दम तोड़ दिया।
- 1891: भारत के संविधान निर्माता बी.आर. अंबेडकर का

- जन्म हुआ।
- 1912: ब्रिटेन का आलीशान पोत टाइटेनिक हिमखंड से टकराकर डूब गया।
- 1958: सोवियत उपग्रह स्पूतनिक-2 अपने अंतरिक्ष अभियान के 162 दिन बाद नष्ट हुआ।
- 1970: अमेरिकी अंतरिक्ष यान अपोलो 13 में धमाके के बाद गंभीर स्थिति पैदा हो गई।
- 1988: सोवियत संघ ने अमरीका, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के साथ जिनेवा में एक समझौते पर हस्ताक्षर कर अफगानिस्तान से अपनी सेना को वापसी पर सहमत जताई।
- 2008: भारत में कोलकाता और बंगलादेश में ढाका के बीच 1965 के बाद पहली बार यात्री रेल सेवा की शुरुआत हुई।

6 जो सेवा बिना आनंद के की जाती है, वह न तो सेवक की मदद करती है और न ही सेवा करने वाले की। सेवा करने में तो बस आनंद आना चाहिए।
-महात्मा गांधी



सामयिकी



निशिकान्त टाट्टर

वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक

हमारा आपका तो कर्तव्य है सोच-समझकर उसे मतदान करना, जो चुनाव के बाद भी आपके मान-सम्मान का खयाल रखे और समाज और देश के विकास के लिए अपना शत-प्रतिशत योगदान दे। जब तक आप सोच-समझकर मतदान नहीं करते और बहकावे में नहीं आकर अपनी परख को मान्यता देते हुए मतदान करते, तो निश्चित रूप से देश का विकास होगा। और, यदि देश का विकास होगा, तो आपका भी निश्चित ही विकास होगा। आपको रोजगार मिलेगा, जब बाजार में धन आएगा, तो आपका व्यवसाय भी बढ़ेगा और जब ऐसा होगा, तभी विकसित भारत कहलाएगा। व्यक्ति विशेष का नहीं, भारत का डंका बजेगा।

त्यक्ति विशेष का नहीं, भारत का डंका बजेगा

कुछ राजनीतिज्ञ कुशल नहीं होते हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर उनकी अकुशलता का कारण क्या हो सकता है? दरअसल, अकुशल राजनीतिज्ञ वही है, जो यह सोचने लगता है कि पूरी दुनिया मेरे पीछे चल रही है। मैं जहाँ जाऊँगा, दुनिया वहीं जाएगी। यही उसकी सबसे बड़ी गलती होती है। कुशल राजनीतिज्ञ वह होता है, जो भांप लेता है कि लोग किस तरफ जा रहे हैं। उसी के हिसाब से वह अपना रास्ता तय करने लगता है। आज देश में चुनावी माहौल चरम पर पहुँच चुका है। इसलिए नेताओं की भीड़ आपको भी आसपास मंडराती नजर आती होगी। बड़ी मासूमियत से आपके चरणों को स्पर्श करके आपसे अपना उद्देश्य बताते हैं—बस एक वोट। आप उनकी मासूमियत पर फिदा होकर उन्हें अपना प्रतिनिधि चुन लेते हैं और संसद भेज देते हैं। अब सिक्के का दूसरा पहलू देखिए कि अगर किस्मत से उस नेता की पार्टी सत्तारूढ़ हो गई, तो फिर देवारा

उनके दर्शन आपके लिए ईश्वर के दर्शन जैसा हो जाएगा। यदि आप उनसे उनके विशेष 'दरबार' में मिलने भी जाते हैं, तो वहाँ उनकी मासूमियत करवट बदल चुकी होती है। अब उनकी इच्छा होती है कि आप उनके चरणों में झुककर उन्हें नमन करें, उनके सामने अपना दुखड़ा रोएँ या फिर याचना करें। चुनावी दौर में जो भी दल चुनावी मैदान में है, सभी को अपनी बात कहने का अधिकार भारत का संविधान देता है। इन्हीं बातों को अपनी नजर में रखते हुए सभी दल चुनाव जीतने के बाद उनके द्वारा देशहित में क्या कुछ किया जाएगा, इसका लिखित पत्र देश की जनता को समर्पित करते हैं जिसे आजादी के बाद से आज तक चुनावी घोषणा पत्र कहा जाता रहा है। सभी दलों की भाँति अब कांग्रेस भी अपने चुनावी घोषणापत्र जारी करते हुए कहा है कि यदि उसकी सरकार बनी, तो नौकरी, सामाजिक न्याय, युवा-महिला और किसान-मजदूरों के

बीच की दूरी को पाटने की दिशा में काम किया जाएगा। कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणापत्र में कहा है कि वह सालाना तीस लाख नौकरियाँ, प्रतिवर्ष अप्रेंटिस अधिकार एक्ट के तहत एक लाख रुपया, केंद्र सरकार की नौकरियों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण, हर गरीब परिवार

की एक महिला को प्रतिवर्ष एक लाख रुपये, देश में सभी के लिए पच्चीस लाख रुपये का कैंसरलैस स्वास्थ्य बीमा, जातिगत जनगणना करने और किसानों को एमएसपी की योजना लागू करेगी।

वहीं, राजग (भाजपा) ने अपने घोषणापत्र का नाम बदलकर 'संकल्प



चिट्ठी आई है

सुरक्षा खामियां दूर करे स्कूल प्रबंधन

महेंद्रगढ़ के कनिनी उपमंडल के अंतर्गत उन्हाणी गांव के पास स्कूल बस पलटने की घटना न केवल शिक्षा विभाग के लिए बल्कि स्कूलों के सभी परिवहन सेवा प्रदाताओं के लिए भी आंखें खोलने वाली होनी चाहिए। निजी स्कूल वैन संचालक और ऑटो रिक्शा चालक भी सुरक्षा मानकों से खिलवाड़ करते हैं। संचालक पैसा कमाने के लिए स्कूली बच्चों को क्षमता से अधिक बैटने की अनुमति देते हैं। सड़कों पर तेज गति और यातायात नियमों के उल्लंघन पर अंकुश लगाने की जरूरत है। कुछ मामलों में ड्राइविंग लाइसेंस, बस के फिटनेस सर्टिफिकेट का समयबद्ध निरीक्षण नहीं किया जाता। सीसीटीवी /जीपीएस प्रणाली को क्रियाशील रखा जाना चाहिए। 13 अप्रैल का संपादकीय 'बंद होना चाहिए बच्चों की जान से हो रहा है खिलवाड़' में देश रोजाना ने कटु सत्य को परिभाषित किया है कि जब स्कूल आते जाते बच्चे ही सुरक्षित नहीं रहेंगे तो सरकारी तंत्र से और क्या उम्मीद की जाए।

युगल किशोर शर्मा, फरीदाबाद

पाठकों से 'चिट्ठी आई है' का कालम लिखिए, सुझाव और शिकायतें आमंत्रित हैं।
-संपादक

एक्स हैंडल

<p>Swami Prasad Maurya@SwamiPmaurya</p> <p>लोकसभा क्षेत्र संख्या-05, नगीना (सुरक्षित) से आजाद समाज पार्टी (काशीराम) के प्रत्याशी श्री चंद्रशेखर आजाद को राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी समर्थन देती है। श्री आजाद जी युवा, कर्मठ, जुझारू तथा सामाजिक न्याय के प्रति समर्पित एक क्रांतिकारी नेता हैं, जिन्हें नगीना लोकसभा की जनता के द्वारा अपार सम्मान भी मिल रहा है। अतः नगीना लोकसभा की सम्मानित जनता से उन्हें प्रबल बहुमत के साथ जिताने की अपील करता हूँ।</p> <p>स्वामी प्रसाद मौर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी</p>	<p>cmoharyana@cmohry</p> <p>नारायणगढ़ जाने के रास्ते में गांव पंजोड़ी निवासी अपने परिवारजन रिटायर्ड सुबेदार रविंद्र जी के प्रतिष्ठान पर जाना हुआ अरविंद्र जी ने जो हमारा सत्कार किया उसे आजीवन याद रखूंगा। नारायणगढ़ मेरा अपना घर है और हर परिवार से मेरा एक विशेष आभारी संबंध है। आज की विजय संकल्प रेली में आपका ये अद्वितीय स्नेह और समर्थन आपके अपने बेटे को आशीर्वाद है।</p> <p>नायब सिंह सैनी मुख्यमंत्री हरियाणा</p>	<p>Jaiky Yadav@JaikyYadav16</p> <p>कांग्रेस पार्टी जिसके पास मात्र 53 लोकसभा सांसद हैं वह अपना घोषणापत्र जारी कर चुकी है। समाजवादी पार्टी जिसके पास मात्र 2 लोकसभा सांसद हैं वह अपना घोषणापत्र जारी कर चुकी है। DMK जिसके पास मात्र 22 लोकसभा सांसद हैं वह अपना घोषणापत्र जारी कर चुकी है। RJD जिसके पास मात्र 0 लोकसभा सांसद हैं वह अपना घोषणापत्र जारी कर चुकी है। मगर BJP जिसके पास 303 लोकसभा सांसद हैं और करीब करीब 20 राज्यों में सरकार भी है वह अभी गिन रही है कि किसने मछली खाई और किसने मटन खाया मगर अब तक घोषणापत्र जारी नहीं किया।</p>
--	---	---

साकार हो रहे बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के सपने



सुनील भारद्वाज स्वतंत्र पत्रकार

भारत रब बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की 134वीं जन्मजयंती हम ऐसे समय में मना रहे हैं, जब पूरा भारत लोकतंत्र का उत्सव मना रहा है। यह उनके द्वारा ही दिए गए संविधान का परिणाम है जिसके कारण हर नागरिक को वोट का समान अधिकार मिला और इसमें कोई छोट-बड़ा नहीं है। वो एक ऐसी समानता भारत में लाना चाहते थे जहाँ कोई छुआ-छूत, ऊँच-नीच, जाति-पाति का बंधन न हो, जहाँ

मानवता ही सबसे बड़ा धर्म हो, यानि एक समस्त भारत की संकल्पना बाबा साहब ने की थी। यों तो बाबा साहब का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। उनके संघर्ष और पग-पग पर उनके अपमान की अनेक बातें हम सभी ने सुनी हैं। मगर उस अपमान और संघर्ष के बीच भी अपना सारा जीवन राष्ट्र की समस्याओं के समाधान हेतु समर्पित करना आसान कार्य नहीं था। यह कोई देव पुत्र ही कर सकता है, जहाँ व्यक्ति अपने व्यक्तिगत सम्मान की परवाह किए बगैर अपनी के लिए खुद को खपा देता है। आज उसी का परिणाम है कि जिन शोषित लोगों की वो आवाज बने, ऐसे करोड़ों जन के हृदयों में बाबा साहब का नाम पूरी श्रद्धा और आस्था से बसा हुआ है। सैकड़ों वर्षों से अस्तित्व में रहने वाली तथा सजातीयों के मध्य उच्च-निम्न का कृत्रिम भेदभाव उत्पन्न कर अत्याचारों और शोषण का माध्यम रहने वाली पाप-समान

सामाजिक-धार्मिक कुरीतियों व कुप्रथाएँ भारत की एक विडम्बना थीं। यह स्थिति हिन्दुस्तान के अग्र-पतन अथवा दुर्दशा का एक प्रमुख कारण थी। इसी स्थिति के कारण देश के करोड़ों जन मनुष्य के रूप में प्राप्त अपने मूल अधिकारों से वंचित रहे। समाज के एक बहुत बड़े वर्ग का जीवन अति कष्टमय, दुःखमय और साथ ही लगभग हर प्रकार से अधिकांश शून्य स्थिति में रहा। यह वास्तव में भारतीय समाज और राष्ट्र के लिए भारी लज्जा एवं कलंक के समान स्थिति थी। अपने एक भाषण में इसी विषय का जिक्र भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। उन्होंने कहा कि हमारे इतने लंबे समय तक गुलामी का कारण भी असमानता रही है। हमने बहुत बड़े वर्ग के लिए मंदिरों के दरवाजे बंद कर दिए। हमने भक्त और भगवान के बीच एक दीवार खड़ी कर दी। अटल ने प्लासी के युद्ध का उदाहरण देते हुए कहा कि हमने देश के बहुत

बड़े वर्ग को लड़ने से वंचित रखा, हमने उनको हथियार नहीं उठाने दिए, हमने समाज को मार्शल-नॉन मार्शल कौम में बाँट दिया। इसी असमानता का सामना जीवन भर बाबा साहब को भी करना पड़ा। उनका जीवन संघर्षों की चरमसीमा थी। उन्होंने अनेक आंदोलनों के माध्यम से करोड़ों पिछड़े लोगों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने अपने भाषणों में बार-बार कहा, शिक्षित बने, संगठित बने और संघर्ष करो। उनका उद्देश्य कभी किसी को दोष देना नहीं था, बल्कि सही मायने में अपने समाज को जातिप्रथा से बाहर निकालकर आत्म सहायता, आत्मोद्धार और आत्म सम्मान द्वारा आत्मनिर्भर बनाना था। इस सबसे बीच बाबा साहब ने अपनी अद्वितीय विद्वता से हमें विश्व का सबसे लंबा सर्वसर्पशी और सर्व समावेशी संविधान दिया जिसमें राजनीतिक के साथ ही सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र

का मार्ग प्रशस्त होता है। भारतीय संविधान देश को एक लोक कल्याणकारी राज्य के रूप में किसी भेदभाव के समस्त नागरिकों, महिलाओं और पुरुषों की समानता और विकास के द्वा खोलता है। देश ने आजादी के बाद लगातार जातपात से मुक्ति के लिए अनेक प्रयास किए हैं। साथ ही अनेक योजनाओं के माध्यम से पिछड़े वर्गों के उत्थान हेतु भी कार्य हुआ है। मगर पिछले एक दशक में देश ने तेज गति से बाबा साहब के सपनों को साकार होते देखा है। मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में देश के महापुरुषों को अद्वितीय सम्मान दिया है। फिर वो नेताजी सुभाष चंद्र बोस हो, देश की एकता के सूत्रधार सरदार बल्लभ भाई पटेल हों, भाववान विरसा मुंडा हों, आदिवासी नेत्री रानी कमला पति हों, कश्मीरी राजा हरी सिंह हों या फिर दक्षिण भारत से स्वतंत्रता सेनानी अल्लुरी सीताराम राव हों। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)



त्वरित टिप्पणी

महाराष्ट्र में अपना पिछला रिकॉर्ड दोहरा पाएगी भाजपा!



संजय मंगू प्रधान संपादक

भारतीय जनता पार्टी की लोकसभा चुनाव में सबसे ज्यादा परीक्षा बिहार और महाराष्ट्र में होने वाली है। बिहार में भाजपा ने लोकसभा चुनाव से थोड़ा पहले जनता दल यूनाइटेड को इंडिया गठबंधन से अलग करके अपने साथ कर लिया। उन्हें नीतीश कुमार की सुशासनी छवि को भुनाना था। महाराष्ट्र में इन दिनों हालत यह है कि भाजपा, कांग्रेस के अलावा दो शिवसेना और दो एनसीपी हैं। दोनों संगठनों का बंटो हुआ धड़ा एक सत्ताधारी दल के साथ है, तो दूसरा सत्ताधारी दल विरोधी धड़े के साथ है। ऐसे में यह सवाल उठना

लाजिमी है कि क्या साल 2019 जैसे परिणाम को भाजपा दोहरा पाएगी? क्या महाराष्ट्र की 48 सीटों में से 41 सीटों पर विजयी परचम लहराने में भाजपा और उसके सहयोगी दल सफल होंगे? राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो बिल्कुल नहीं। वर्ष 2019 और 2024 के हालात में काफी फर्क आ गया है। जब सन 2019 में लोकसभा चुनाव लड़े गए थे, तो भाजपा और शिवसेना एक साथ थे। भाजपा ने 23 सीटों पर सफलता हासिल की थी और शिवसेना ने 18 सीटों पर। बाकी सात सीटें विपक्ष को मिली थीं। पिछली बार एक साथ

लड़ने वाली शिवसेना आज दो हिस्से में बंट गई है। पांच साल पहले अपनी अलग राह चुनने वाली शिवसेना को भ्रष्ट बतकर आलोचना करने वाली भाजपा ने जब विद्रोही एकनाथ शिंदे को अपने साथ मिलाया, तो जनता में उद्भव ठाकरे के प्रति स्वाभाविक रूप से सहानुभूति की लहर पूरी महाराष्ट्र में पैदा हुई थी। वह किसी न किसी रूप में आज भी कायम है। एनसीपी के दो फाड़ होने के बाद अजित पवार को शामिल करने से भाजपा छवि को और घक्का लगा। महाराष्ट्र में पीएम नरेंद्र मोदी से लेकर पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा तक सभी पी-

पीकर कोसा, भ्रष्टाचारी कहा और बाद में जब उसको अपनी सरकार में शामिल किया, तो इसकी विपरीत प्रतिक्रिया हुई। महाराष्ट्र में जितनी पकड़ उद्भव ठाकरे की है, शरद पवार की है, उतनी लोकप्रियता एकनाथ शिंदे और अजीत पवार की नहीं है। लोगों में यह भावना घर कर गई है कि अजीत पवार और एकनाथ शिंदे पार्टी ही हजम कर ली और इसमें सहयोग किया भाजपा ने। जिसने और जिसके पूर्वजों ने मेहनत करके पार्टी खड़ी की, उस पार्टी को दूसरे लोगों ने अपनी बना लिया। भाजपा कार्यकर्ता तक दबी जुबान से इस बात को स्वीकार करते हैं कि

जिसको कल तक हम भ्रष्टाचारी बताते थे, आज उनका स्वागत करना पड़ रहा है। भाजपा ने आज ही महाराष्ट्र के लिए स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है, उसमें एकनाथ शिंदे और अजीत पवार का नाम नहीं है। इस बात के भी अब निहितार्थ तलाशे जाएंगे। इसकी एकनाथ शिंदे और अजीत पवार समर्थक किस रूप में लेंगे, यह देखना अभी बाकी है। बहरहाल, अभी तक जो माहौल दिख रहा है, उसको देखते हुए कहा जा सकता है कि इस बार महाराष्ट्र और बिहार में भाजपा के लिए सब कुछ आसान नहीं रहने वाला है।

निजी स्कूलों की कबाड़ बसों में देश के भविष्य के जीवन से हो रहा खिलवाड़

प्रवीण सैनी, देश रोजाना

होडल। जिलेभर में सैकड़ों निजी स्कूलों के खटारा वाहनों में देश का भविष्य मासूम बच्चे सफर करने को मजबूर हैं। स्कूल संचालकों द्वारा खटारा बसों, सुभो, टवेरा, ईको आदि गाड़ियों में बच्चों को स्कूल लाने ले जाने के कार्य पर लगाकर मोटा मुनाफा वसूल जा रहा है।

इसके अलावा स्कूल संचालक सरकार को चूना लगाने का काम कर रहे हैं बता दें कि क्षेत्र होडल में सैकड़ों की संख्या में प्राइवेट स्कूल है अधिकांश स्कूलों में बच्चों को लाने ले जाने के लिए कबाड़ हो चुकी बसें और प्राइवेट रजिस्ट्रेशन को सरकार द्वारा समय सीमा अवाधि



खतम हो चुकी गाड़ियां लगाई हुई हैं। इन गाड़ियों में स्कूली बच्चों को घर से स्कूल लाने व घर ले जाने के एवज में अभिभावकों से हजारों रुपए वसूल किए जाते हैं। परंतु इन गाड़ियों में सुविधाओं के नाम पर टीक से बैठने की जगह भी नहीं होती। इन वाहनों में सुरक्षा के उपकरण भी नहीं होते। इन वाहनों में बच्चों को वाहनों की क्षमता से

अधिक बिठाकर लाने ले जाने का कार्य किया जाता है। इन बसों पर ना तो कोई हेलपलाइन नंबर लिखा होता है ना ही स्कूल का नाम ना ही कोई इमरजेंसी और हेलपलाइन नंबर। यह खटारा हो चुकी गाड़ियां होने के कारण रास्ते में कहीं पर भी खराब होकर खड़ी हो जाती हैं। इन गाड़ियों के ड्राइवर बच्चों की परवाह न करते हुए खतरनाक

ड्राइविंग करते हुए नजर आते हैं। बहुत से स्कूलों में बसों पर ड्राइवर के साथ अन्य कोई भी हेलपर बच्चों को उतारने वह चढ़ाने के लिए नहीं होता है।

ऐसा ही एक मामला बीते दिन रोड पर चलती हुई एक बस में देखने को मिला जिस स्कूल बस में उसके शीशे तक टूटे हुए थे उसमें ना तो ब्रेक लाइट थी ना ही इंडीकेटर। बस में शीशे की जगह पर कुछ भी नहीं था और बच्चे इधर-उधर झांक रहे थे। ऐसी बसों में बच्चों को बिठाकर लाने ले जाने के कारण उनके जीवन के साथ खिलवाड़ हो रहा है। स्कूल संचालकों की मनमर्जी के कारण कभी भी कोई बड़ा हादसा क्षेत्र होडल में ऐसी कबाड़ बसों के

कारण हो सकता है। और ऐसा प्रतीत होता है जैसे प्रशासन आंखें मूंद शायद किसी बड़े हादसे का होने का ही इंतजार कर रहा है या फिर ऐसा कहे की प्रशासनिक अधिकारी और स्कूल संचालकों की सांठ गांठ के कारण ही बच्चों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। शिक्षा विभाग के बड़े अधिकारी इन स्कूलों के कार्यक्रमों में बतौर अतिथि उपस्थित होते रहते हैं और बड़े कीमती उपहार उन्हे मिलते रहते हैं शायद इस कारण भी लगता है ऐसे स्कूलों पर कोई कार्यवाही अमल में नहीं लाई जाती। क्षेत्र की सड़कों पर दौड़ती ऐसी गाड़ियां सालों से दौड़ रही हैं पर प्रशासनिक अधिकारियों को यह कभी नजर नहीं आती।

हर्षोउल्लास से मनाया जाट दिवस व बैसाखी पर्व

देश रोजाना ब्यूरो, पलवल



पलवल की जाट धर्मशाला में अंतरराष्ट्रीय जाट दिवस व बैसाखी पर्व बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जाट समाज के लोगों ने जाट महापुरुषों की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके जीवन पर प्रकाश डाला साथ ही लोकसभा चुनावों में एकजुट होकर वोट करने की अपील की।

अंतरराष्ट्रीय जाट दिवस व बैसाखी पर्व के अवसर पर पलवल की जाट धर्मशाला में सभी वक्ताओं ने जाट इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा की देश के इतिहास में जाट समाज का बहुत बड़ा योगदान रहा है चाहे वो देश की आजादी की बात हो या फिर मुगल शासन की बात हो हमेशा जाट योद्धाओं ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। वक्ताओं ने कहा की जाट समाज एक ऐसा समाज है जो सभी को साथ लेकर चलता है सभी की

मदद के लिए हमेशा तत्पर रहता है। उन्होंने कहा आज अंतरराष्ट्रीय जाट दिवस मनाने का उद्देश्य है की अपनी कौम के युवाओं को जाट इतिहास की जानकारी देना की किस तरह देश के निर्माण में जाटों का योगदान रहा है। उन्होंने कहा की समाज के युवाओं को अपनी कौम के महापुरुषों का अनुसरण करने की जरूरत है। उन्होंने कहा की 13 अप्रैल का दिन जाट समाज देश व समाज में भाईचारा बढ़ाने व कौमी एकता के रूप में मनाता है। वक्ताओं ने कहा की अंतरराष्ट्रीय जाट दिवस जाट समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण

दिन है क्योंकि यह उनकी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं का जश्न मनाने का अवसर प्रदान करता है। यह समाज में जाटों के योगदान को प्रतिबिंबित करने और उनकी पहचान और एकता को बढ़ावा देने का भी दिन है। इस मौके पर जाट धर्मशाला के अध्यक्ष रणवीर चौहान, इनेलो नेता केशर डगर, भाजपा नेता बलदेव अलावलपुर, कांग्रेस नेता मनधौर मान, आप जिला अध्यक्ष चंद्र शेखर रावत, मूलचंद बडगुर्जर, करतार डगर, राहुल तंवर सहित तमाम जाट समाज के मौजिज लोग मौजूद रहे।

सीवर हादसे के मामले में जेई और एसडीओ के खिलाफ केस दर्ज

मृतक का हुआ पोस्टमार्टम

देश रोजाना ब्यूरो, हथीन

हथीन अनाज मंडी के सार्वजनिक शौचालय के सीवर मैनहोल की सफाई करते समय हुए हादसे के मामले में हथीन थाना पुलिस ने मार्किट कमिटी की निर्माण विंग के जे ई एवं एसडीओ के खिलाफ अनुसूचित जाति अधिनियम एवं अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। हथीन के डीएसपी सुरेश भड़ाना मामले की जांच कर रहे हैं।



सम्बन्धित अधिकारियों एसडीओ एवं जे ई ने जबरन उसके बेटे अजय उसके साथ कर्मचारियों इंद्रपाल निवासी तिगार एवं राजेश निवासी बल्लभगढ़ को सीवर के गड्ढे में उतारा। उन्होंने मना किया। लेकिन जे ई एवं एसडीओ ने धमकाया एवं जबरन धक्का देकर सीवर सीवर में उतार दिया इस हादसे में अजय की मौत हो गई। पीड़ित ने एसडीओ, जेई एवं सम्बन्धित अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। सिटी

चौकी प्रभारी विजयपाल ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है। डीएसपी हथीन सुरेश कुमार भड़ाना केस की जांच कर रहे हैं। इससे पूर्व पोस्टमार्टम के समय मृतक अजय एवं अन्य दो श्रमिकों के भारी संख्या में परिजन पोस्टमार्टम स्थल के बाहर एकत्रित हो गए। उन्होंने कार्यवाही की मांग की। मौके पर मार्किट कमिटी हथीन के प्रशासक एवं स्थानीय एसडीएम संदीप अग्रवाल एवं डीएसपी हथीन सुरेश कुमार

भड़ाना भी पुलिस बल के साथ पहुंचे। इस अवसर पर तिगार से जितेंद्र चंदलिया एवं अन्य लोगों के मध्य बहसबाजी भी हो गई। डीएसपी सुरेश कुमार भड़ाना एवं अन्य स्टाफ ने उनको समझाकर शांत कराया। डीएसपी भड़ाना ने परिजनों को विश्वास दिलाया कि जांच करके न्यायोचित कार्यवाही की जाएगी। इसके बाद पोस्टमार्टम शुरू हुआ। पोस्टमार्टम के बाद परिजन मृतक के शव को पैतृक गांव खोकिवाका में ले आए।

गेहूं का उठान न होने से किसान आढ़ती परेशान, मुगतान भी नहीं हो रहा



देश रोजाना ब्यूरो, हथीन

हथीन अनाज मंडी में अब तक एक लाख 89 हजार क्विंटल गेहूं की खरीद सरकारी खरीद एजेंसियों ने की है। इसके बावजूद अभी तक खरीदे गए गेहूं का उठान शुरू नहीं हो पाया है। इस कारण मंडी के आढ़ती किसान परेशान हैं। स्थिति यह बनी हुई है कि उच्च अधिकारी जिला मुख्यालय की मंडी का मौका निरीक्षण कर उठान के दावे कर रहे हैं। फील्ड में अधिकारी मौके का निरीक्षण नहीं कर रहे हैं। हथीन मार्किट कमिटी आढ़ती असोसिएशन के पूर्व प्रधान रविन कुमार ने इस

संदर्भ में अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल से बात की। राजपाल ने समस्या के हल का भरपूर दिलावा है। आढ़ती असोसिएशन के प्रधान सुखचौर ने बताया कि खरीदे गए गेहूं का भुगतान भी समय पर नहीं हो पा रहा है।

उन्होंने भुगतान भी शीघ्र शुरू करने की मांग की है। हथीन मार्किट कमिटी के सचिव लेखचंद ने बताया कि हथीन अनाज मंडी में गेहूं उठान का टेंडर छूट शनिवार को ही हुआ है। उठान के लिए गाड़ियां आ रही हैं। शीघ्रता से समस्या का निवारण कर दिया जाएगा।

जलियांवाला बाग के बलिदानियों की दी श्रद्धांजलि



देश रोजाना ब्यूरो, हथीन

शनिवार को शहर स्थित विश्रामगृह के प्रांगण में अखिल भारतीय शहीदों सभा के द्वारा जलियांवाला बाग नरसंहार में बलिदान हुए क्रांतिकारियों की याद में दो मिनेट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिसमें वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि 13 अप्रैल 1919 के नरसंहार में हजारों भारतीयों को अंग्रेजी जनरल डायर ने मौत के घाट उतार दिया था। जनरल डायर की यह कायराना कर्तव्य इतिहास के पन्नों में दर्ज है।

हमारे देश के युवाओं को शहीद उधम सिंह के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए की कैसे उन्होंने एक लक्ष्य निर्धारित करके जलियांवाला बाग नरसंहार का

बदला लंदन में जाकर जनरल माइकल ओ डायर को मारकर लिया। उन्होंने कहा कि हमें अपने बलिदानियों के बलिदान से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। वक्ताओं ने कहा कि हमें समाज में व्याप्त बुराइयों को लेकर भी आवाज उठानी चाहिए। क्योंकि आज का युवा नशे, जुआ और लूटपाट सहित अन्य वारदातों को अंजाम देने में लगा हुआ है।

इस मौके पर सभा के कार्यकारी राष्ट्रीय प्रधान डॉ. अस्मगर हुसैन, जिला प्रधान जवाहर सिंह रावत, डा. प्रभुदयाल आर्य, पूर्व सरपंच उदयसिंह, मोहम्मद जकरिया, सुभाषचंद्र, समाजसेवी गजराज जांगड़, कवि केसरीलाल, निसार, हनीफ, छोटे लाल, लोकेश कुमार, ओमवीर, बिलाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

250 से ज्यादा कांग्रेस और जेजेपी के कार्यकर्ताओं और समाजसेवियों ने थामा भाजपा का दामन

कृष्णपाल गुर्जर दर्ज करेगे 10 लाख से ज्यादा की बड़ी जीत : राजकुमार वोहरा

देश रोजाना ब्यूरो, फरीदाबाद



भारतीय जनता पार्टी में लगातार दूसरी राजनैतिक पार्टियों के नेताओं और कार्यकर्ताओं का पार्टी ज्वान करना जारी है और आज इसी कड़ी में फरीदाबाद भाजपा जिला कार्यालय अटल कमल पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में जेजेपी और कांग्रेस के कई नेताओं व कार्यकर्ताओं ने बीजेपी का दामन थामा। जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने हरियाणा के उधोग मंत्री मूलचंद शर्मा और वरिष्ठ उप महापौर देवेन्द्र चौधरी की उपस्थिति में पटका फेलाकर 250 से ज्यादा लोगों को भाजपा की सदस्यता दी। इस मौके पर जिला महासचिव मनोज वशिष्ठ, सुरेंद्र जांगड़, वरिष्ठ नेता टिप्पणचंद्र शर्मा, युवा मोर्चा अध्यक्ष

चौरसिया, कुंदन बिट्ट, रमण वोहरा आदि ने भी मोदी जी की नीतियों में विश्वास दिखते हुए भाजपा की सदस्यता ली। इसके अलावा कुछ वरिष्ठ समाजसेवियों ने भी भाजपा की सदस्यता ली। भाजपा जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने कहा कि आज आपको भाजपा कार्यकर्ता का पद मिला है, मोदी जी के हाथ मजबूत करना है और कृष्णपाल गुर्जर को फरीदाबाद लोकसभा में 10 लाख वोट से जिताना है। जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा, कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा और सैनियर डिप्टी मेयर देवेन्द्र चौधरी ने भाजपा की सदस्यता लेने वाले सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं को बधाई

मेवात के गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुंचाएगी भाजपा सरकार: वशिष्ठ

25 मई को लोकसभा चुनाव में भाजपा को वोट देकर कर्ज उतारेंगे मेवाती: रसीद मेव

देश रोजाना ब्यूरो, हथीन



अध्यक्षता सरपंच सद्दाम ने की। गाँव पहुंचने पर ग्रामीणों ने मीडिया समन्वयक का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। नुककड सभा को संबोधित करते हुए मीडिया समन्वयक वशिष्ठ ने कहा कि जब-जब देश पर विदेशी हुकूमत ने आक्रमण किया, देश की गौरव को लालकारा तब-तब मेवात के वीरों ने उनका डटकर मुकाबला किया। मेवात के वीरों ने दिल्ली के सुल्तानों व मुगल बादशाहों ही

नहीं, बल्कि देश की आजादी में अंग्रेजों से भी डटकर लोहा लिया। शायद ही मेवात क्षेत्र का कोई गाँव ऐसा होगा, जिसमें से कोई शहीद न हुआ हो। मेवाती को वोट देकर अपना कर्ज चुकाएगा। इस मौके पर पूर्व सरपंच मुकदीस, सुबराती, अज्जर रफी, मोहम्मद तालिब, मामन, शेरदीन, फौजी जानू जुल्ला, उसमान और अख्तर इमरान और कालू सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

सरकारों ने मेवातियों को सिर्फ वोट-बैंक मानकर रखा। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व की वर्तमान हरियाणा सरकार मेवात के गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रही है। मेव महासभा के राष्ट्रीय महासचिव अब्दुल रसीद ने कहा कि 9 मार्च को पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में जिस तरह से हरियाणा सरकार ने मेवातियों को सम्मान दिया है, उसे कोई मेवाती भूला नहीं सकता। 25 मई को लोकसभा चुनाव में हर मेवाती भाजपा को वोट देकर अपना कर्ज चुकाएगा।

सुधीर राजपाल ने पलवल अनाज मंडी का दौरा किया

हेमलता, देश रोजाना



पलवल। अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं जिला नोडल अधिकारी सुधीर राजपाल ने शनिवार को पलवल अनाज मंडी का दौरा किया। इस दौरान गेहूं फसल की खरीद को लेकर जिला के अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए। इससे पहले उन्होंने लघु सचिवालय में अधिकारियों की बैठक भी ली। बैठक में उन्होंने फसल खरीद के इंतजामों की समीक्षा की गई। सचिव ने फसल खरीद से जुड़े इंतजामों की समीक्षा करते हुए मेरी फसल-मेरा ब्यूरो पोर्टल पर दर्ज जानकारी, किसानों की सुविधा के लिए मंडीवार इंतजाम, खरीद एजेंसी की तैयारी, फसल की आवक व उठान तथा किसानों को फसल के भुगतान से संबंधित जानकारी ली।

इस अवसर पर जिला उपायुक्त नेहा सिंह ने जिला प्रशासन की ओर से फसल खरीद से जुड़े इंतजामों के बारे में जानकारी दी। सचिव सुधीर राजपाल ने अधिकारियों से कहा कि मंडी में उपज लेकर आने वाले किसानों को तय समय सीमा के भीतर भुगतान किया जाए। साथ ही मंडी में खरीद के साथ उठान के कार्य को भी तेज किया जाए। उन्होंने कहा कि मंडी में पीने के

पानी, स्वच्छता, तिरपाल, बारदाना आदि का उचित इंतजाम होना चाहिए। मंडी से गेहूं की आवक का उठान एक सप्ताह में पूरा कर लिया जाए। इसके अलावा मंडी में आई गेहूं की आवक को बाफिश से बचाने के लिए तिरपाल आदि की उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों से भी अपील की कि मंडी में लाने वाली आवक को अच्छी तरह से सुखाकर लाएं।

इस दौरान उन्होंने आढ़ती एसोसिएशन के प्रतिनिधियों व किसानों से भी बातचीत की। इस अवसर पर एसडीएम नरेंद्र कुमार, जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक सीमा शर्मा, किसान एवं कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ.बाबूलाल, कृषि उपमंडल अधिकारी कुलदीप तैवतिया, जिला सिविल सर्जन डॉ.नरेश गर्ग सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सरकारी खरीद में गोलमाल की आशंका, एसडीएम ने जब्त किए तीन वाहन



● राजस्थान से चोरी से लाई जा रही थी सरसों एसडीएम ने देर रात पकड़ी

● देर रात एसडीएम डा. चिनार चहल ने मंडी में छापामारी कर जमाखोरों के उड़ाए होश

अख्तर अलवी, देश रोजाना

फिरोजपुर झिरका। विगत कई दिनों से फिरोजपुर झिरका की अनाज मंडी में नियमानुसार सरसों की सरकारी खरीद जारी है। लेकिन इस खरीद में गोलमाल होने की बात सामने आई है। देर रात एसडीएम

डा. चिनार चहल ने छापामारी कर राजस्थान नंबर के ऐसे तीन वाहनों को पकड़ा जिनमें राजस्थान से सरसों लाकर स्थानीय मंडी में बेची जा रही थी। पकड़े गए इन वाहनों की गहनता से जांच की गई तो यहां मार्किट फीस चोरी करने का मामला सामने आया। प्रशासनिक टीम ने

सरकार को लगाया जा रहा है घुना

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार फिरोजपुर झिरका में कुछ मुनाफाखोरों द्वारा बड़े पैमाने पर सरसों का भंडारण यानी स्टॉक किया जा रहा है। ऐसा कर कुछ लोग सरकार को घुना लगाकर मार्किट फीस चोरी कर रहे हैं। जोकि कानूनन अपराध है। नियमानुसार यदि कोई प्राइवेट एजेंसी सरसों का स्टॉक करती है तो उसे प्रति विक्टल के हिसाब से एक प्रतिशत मार्किट फीस जमा करानी होती है। वहीं सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कुछ जमाखोरों ने मंडी से बाहर ऐसे गुप्त ठिकाने बनाए हुए हैं जहां करोड़ों रुपये की सरसों स्टॉक की हुई है। एसडीएम ने इस बाबत कहा कि यदि कोई व्यक्ति स्टॉक कर मार्किट फीस चोरी कर रहा है तो उसपर कानूनी कार्रवाई कर मार्किट फीस वसूली जाएगी।

नियमानुसार कार्रवाई करते हुए तीनों वाहनों को जब्त कर लिया और

मेरी फसल मेरा ब्योरा पर किए गए पंजीकरण की हो जांच

सरकारी केन्द्रों पर फसल बेचने के लिए किसानों को नियमानुसार मेरी फसल मेरा ब्योरा पर पंजीकरण करवाना जरूरी है। ऐसे में क्षेत्र के काफी किसानों ने इस पोर्टल पर पंजीकरण करवाया हुआ है। लेकिन इन किसानों के साथ काफी ऐसे फर्जकार भी हैं जिन्होंने किसानों के साथ ही फजीवांदा कर उनकी जमीन का अपने नाम से रजिस्ट्रेशन करवा रखा है। पूर्व में भी ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं। अब फिर से ऐसे ही मामले सामने आ रहे हैं। इसकी जांच हो तो काफी फर्जकार पकड़े जा सकते हैं। एसडीएम ने कहा यदि किसी किसान को लगता है कि उसके साथ फजीवांदा हुआ है तो वो आनलाइन के अलावा उनके कार्यालय में शिकायत दे सकता है।

एसडीएम ने बनाई टीम, सरसों बेग की गिनती जारी

खरीद में गोलमाल की आशंका की शंका को दूर करने के लिए एसडीएम डा. चिनार चहल ने शनिवार को सरकारी खरीद केन्द्र का दौरा किया। उन्होंने यहां एक टीम का गठन कर सरसों के बेग की गिनती शुरू करवा दी। गिनती शुरू होते ही खरीद एजेंसियों की सांसे फूलती नजर आई। अब देखा होगा कि जो खरीद अभी तक मंडी में हुई है वो पूरी है या नहीं है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अभी तक मंडी में 75 हजार विक्टल की सरसों खरीद की जा चुकी थी। जबकि 3603 किसानों के गेट पास काटे जा चुके हैं। मंडी के बाहर हाईवे पर ट्रैक्टर लेकर खड़े किसानों की अभी भी लाइन लगी हुई है। कई किसानों ने बताया कि उनका गेट पास नहीं बनाया जा रहा है।

इन्से मार्किट फीस वसूलकर इनपर कई प्रकार के जुमानें लगाए हैं। एसडीएम द्वारा की गई इस कार्रवाई से जमाखोरों में हड़कंप मच गया।

उपायुक्त ने किया तावड़ अनाज मंडी का दौरा

● खरीद कार्यों व सुविधाओं का लिया जायजा

यूनस अलवी, देश रोजाना



नूह। उपायुक्त धीरेंद्र खड्गटा ने शनिवार को नई अनाज मंडी, तावड़ का औचक निरीक्षण किया तथा रबी फसलों के खरीद संबंधी प्रबंधों का निरीक्षण किया, उनके साथ उपमंडल अधिकारी, तावड़ संजीव कुमार तथा विरेंद्र कुण्ड, सचिव एवं कार्यकारी अधिकारी, मार्केट कमिटी, तावड़, मनजीत कुमार, मैनेजर एच.डब्ल्यू.सी, सभी आदती, संजय गोयल, सुभाष, पवन कुमार भी साथ मौजूद रहे।

उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान सबसे पहले गेट पास व डाटा ऑर्परेटर रूम का निरीक्षण किया, जहां पर गेट पास का कार्य सुचारु रूप से चलता पाया गया। उन्होंने पाया कि अनाज मंडी के सभी कार्य

सुचारु रूप से चल रहे थे और गेहू व सरसों की बोली भी समय पर चल रही थी। अनाज मंडी के अन्दर साफ-सफाई, पीने के पानी की व्यवस्था आदि ठीक पाई गई। बारिश के मौसम को देखते हुये आदितियों के द्वारा फसल को तिरपाल से ढक रखा था। मण्डी में आवक व खरीद सुचारु से चल रही है। उपायुक्त द्वारा सरसों व गेहू के उठान के बारे में डीएम व संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों से फसलों का उठान कार्य में तेजी लाई जाए। इसके लिये गाड़ियों की संख्या बढ़ा दी जाए ताकि किसानों को मंडियों में फसल लाने व बेचने में कोई परेशानी ना हो।

मामूली गाली गलोज के चलते दामाद ने ससुर का किया कत्ल

● पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की

यूनस अलवी, देश रोजाना

नूह/मेवात। नूह जिला के पिंगवां थाना के गांव हांडोली में दामाद और उसके साथियों द्वारा ससुर की हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक के बेटे साहुन कि शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

शिकायत में बताया कि उनका जीजा शाहिद उनकी बहन को लेकर घर आया था और उनके पिता सोहराब और उनके जीजा शाहिद में किसी बात को लेकर कहा सुनी हो गई थी और शाम को उनके जीजा भरे पिता को जान से मारने की धमकी देकर अपने गांव चला गया था। लेकिन जब रात



उसके पिता सोहराब अपने मकान में सो रहे थे तो तभी उनका जीजा शाहिद रात्रि करीब एक बजे अपने चार-पांच साथियों को लेकर उनके घर आया और उनके पिता से उनके कमरे का दरवाजा खुलवाया। उनके पिता सोहराब ने

जैसे ही दरवाजा खोला तो उसके साथ उनके जीजा और उसके साथ आए अन्य लोगों ने मारपीट शुरू कर दी। मारपीट करते हुए उन्हें सरिया, लाठी, डंडों से बुरी तरह पीटा और उसके पिता ने जब शोर मचाया तो आरोपी लोगों को आता

देख भाग गए। जैसे ही वो मौके पर पहुंचे तो उन्होंने अपने पिता को गंभीर हालत में जखमी पाया, जिससे वो अपने पिता को लेकर जब इलाज करने अस्पताल जा रहे थे तो रास्ते में ही उनके पिता सोहराब ने दम तोड़ दिया।

बाबा साहेब के जीवन चरित्र से सीख लें युवा : नीरज रामपाल

नसीम खान, देश रोजाना

तावड़। संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीम राव अम्बेडकर जी 133 वे जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर युवाओं को सम्बोधित करते हुए युवा एकता टीम के अध्यक्ष नीरज रामपाल ने युवाओं से आह्वान किया है की वे जीवन से सीख लेकर उनके दिखाए हुए मार्ग पर चलकर राष्ट्रीय हित में कार्य करें बकील नीरज रामपाल बाबा साहेब ने देश के संविधान में सभी धर्मों व वर्गों के नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए सभी को समानता का दर्जा दिया है। बाबा साहेबान लिखते समये बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर जी ने महिलाओं के हितों का विशेष ध्यान रख कर उनकी भी तबकी के रास्तों को खोलकर उन्हें भी समानता का अधिकार देने का पुनीत कार्य किया है। बाबा साहेब



ने विषम परिस्थितियों में भी अपनी काबिलियत के दम पर देश विदेश में उच्च स्तर की डिग्रीया हासिल कर भारत का मान बढ़ाया है। आज के दौर में युवाओं को मानव कल्याण के लिए उनके बताये रास्ते पर कार्य करके राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना चाहिए गौरतलब है की नीरज रामपाल क्षेत्र के जाने माने रक्तदाता व सामाजिक कार्यकर्ता है इनके मार्गदर्शन में समय समय पर रक्तदान शिविर, पौधरोपण, गरीब बच्चों को निशुल्क शिक्षा, कानूनी जागरूकता शिविर सहित अनेको सामाजिक कार्य युवा एकता टीम द्वारा किये जाते रहे हैं।

पुरानी रंजिश को लेकर फायरिंग, कई घायल, घर में तोड़फोड़, पांच गिरफ्तार

● आरोपियों से दो अवैध बंदूक, 5 रौंद, दो खोल बरामद

यूनस अलवी, देश रोजाना

मेवात। पुरानी रंजिश के चलते नूह जिला के थाना पिनगवां के गांव दाना में अवैध हथियारों से जमकर फायरिंग कर करीब तीन लोग को घायल कर दिया जबकि पथराव करने ने मोटरसाइकल, कार के अलावा घरों को काफी नुकसान हुआ है। पुलिस ने वकील, शकिल, अल्लू, मुनफेद उर्फ मुन्ना, जम्मा, आदिल, रिज्जी, समी पुत्रान आसु, साहिल, निजामु, असर, सब्बा, खती, सल्लम निवासीयान दाना थाना पिनगवां व दिलावर निवासी बिस्मवरा हालाबाद डुगेया थाना पिनगवां के खिलाफ हत्या के प्रयास करने सहित करीब 15 लोगों के खिलाफ अवैध हथियार रखने, जान लेवा हमला करने सहित विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने



आरोपियों को अदालत से एक दिन के रिमांड पर लेकर दो 12 बोर की अवैध बंदूक, 5 रौंद व दो खोल बरामद किए हैं। पीडितों ने अन्य आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार गांव दाना निवासी खालिद पुत्र कल्लू ने पिनगवां पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि दो मार्च 2024 को उपरोक्त आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की थी। जिस बाबत थाना पिनगवां में आरोपियों के खिलाफ थाना पिनगवां में मु0 नं0 47/2024 दर्ज कर लिया था। जो

इसी बात की वजह से पीडित के लोगों के साथ रंजिश रखते हुए आ रहे है। दिनांक 11 अप्रैल को समय लगभग दोपहर एक बजे वकील दारू के नशे में होकर पिनगवां से अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने घर के लिये जा रहा था जो वकील हमारे घर के निकट अपनी मोटरसाइकिल से निचे गिर गया था जिसे गिरने की वजह से थोड़ी

अपने घरों के अंदर घुसकर अपनी जाने बचाई करना उन्हें जान से मार देते। आरोपियों ने उनके घरों में गिट, पत्थर फेंक कर घरों का काफी सामान व घरों के सीसे दरवाजे गिट, पत्थरों से तोड़ दिये व उपरोक्त झगडे में मुझे वा मेरे परिवार के कई लोगों को चोटें आई है। फायरिंग करते हुए झगडे की पीडितों ने वीडियो ग्राफी भी कर ली। उसके बाद पीडितों ने पुलिस सहायता के लिये 112 नम्बर पर कॉल कर सूचना दी। जो पुलिस को आता देख और आरोपी जान से मारने धमकी देकर फरार हो गए। जबकि पुलिस ने मौके से करीब 6 आरोपियों को हिरासत में ले लिया। जांच अधिकारी जयचंद ने बताया कि पीडित की शिकायत पर करीब 15 लोगों के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने, हत्या का प्रयास करने सहित अन्य धाराओं को तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है जबकि पांच आरोपी गिरफ्तार कर उनसे 12 बोर की दो अवैध बंदूक, दो खोल और 5 रौंद बरामद किए हैं। अन्य आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मां भगवती का विशाल जागरण 15 अप्रैल को पंजाबी बारात घर में

कृष्ण आर्य, देश रोजाना, पुन्हाना। आगामी 15 अप्रैल को शहर के पंजाबी बारात घर में मां भगवती का 12 वां विशाल जागरण आयोजित किया जाएगा। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि बहन दया भड़ाना व विशिष्ट अतिथि होडल नगर परिषद अध्यक्ष शीशपाल कड्डुन होंगे। उक्त जानकारी श्री बाकि बिहारी सखा मंडल के सदस्य नरेंद्र मंगला व धर्मेन्द्र अप्पू गर्ग ने दी। उन्होंने बताया कि जागरण में हाथरस की मशहूर गायक कलाकार चंदन शर्मा, गाजियाबाद से रामकुमार लखवा, अलवर से कमल कान्हा, पलवल से मोनु भैया अपने भस्वरु भजनों से श्रोताओं का मन मोहेंगे। इसके अलावा फरीदाबाद के ऋतिक रसिया ग्रुप के माध्यम से जागरण में सुंदर-सुंदर झालियां प्रस्तुत की जाएगी। नरेंद्र मंगल व धर्मेन्द्र अप्पू गर्ग ने बताया कि जागरण की तैयारी को लेकर जगह-जगह निर्मात्रण पत्र बांटे जा रहे हैं। जागरण में हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश व दिल्ली से हजारों की संख्या में श्रद्धालु शिरकत करेंगे।

उपमंडल अधिकारी पुन्हाना ने चलाया स्कूल बसों का चेकिंग अभियान

● चेकिंग के दौरान एक बस इम्पाउंड

यूनस अलवी/कृष्ण आर्य, देश रोजाना



लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। पुन्हाना उपमंडल अधिकारी लक्ष्मी नारायण ने बताया कि सरकार व जिला प्रशासन के दिशा निर्देशानुसार कनीना में हुए हादसे के बाद प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। प्रशासन द्वारा सभी स्कूल बसों को चेतावनी देकर 2 दिन में अनियमितताओं को सही करने का निर्देश देकर छोड़ दिया गया। वहीं उपमंडल अधिकारी ने बताया कि किसी भी तरह की

किए गए हैं। प्रशासन द्वारा तय मानकों के तहत स्कूल बसों का सघन चेकिंग अभियान शुरू किया गया है। जिन स्कूल बसों में कोई कमी कोताही पाई गई है, उनके स्कूल संचालकों को चेतावनी देकर 2 दिन में उन्हें सही करने की दिशा निर्देश दिए हैं। उप मंडल अधिकारी ने बताया कि फिलहाल स्कूल बसों को प्रशासन एक जगह इकट्ठा करके नियमावली के तहत

निजी स्कूल की एक बस इम्पाउंड

यूनस अलवी, देश रोजाना

पुन्हाना उपमंडल अधिकारी लक्ष्मी नारायण ने जानकारी देते हुए बताया कि पुन्हाना थाना प्रभारी जसवीर सिंह ने नियमों की अवेहेलना करने के आरोप में एक स्कूल बस को इम्पाउंड कर पुलिस थाने में खड़ा कर दिया है।

जिला प्रशासन ने निजी व सरकारी स्कूल बसों के फिटनेस की जांच

● अभियान के दौरान नॉर्मस पूरे ना होने पर कई वाहनों को इम्पाउंड कर किया चालान

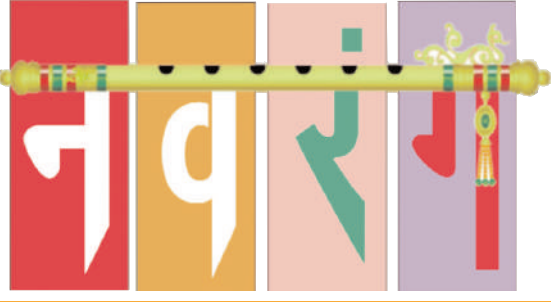
यूनस अलवी, देश रोजाना



सरकार के उच्च अधिकारियों के आदेश पर शनिवार को निजी स्कूल की बसों की चेकिंग का अभियान चलाया। अब उच्च अधिकारियों के निर्देश के बाद नूह प्रशासन और पुलिस भी अलर्ट मोड पर नजर आ रहा है। सभी स्कूल बसों को चेकिंग के लिए नूह के वाईएमडी कॉलेज में बुलाया गया और उनके फिटनेस के सभी दस्तावेज चेक किए गए। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सतबीर सिंह तंवर ने बताया कि सभी स्कूलों को आदेश जारी कर दिए हैं और सभी को निर्धारित की गई जगह पर बुलाया गया है ताकि

उनके वाहनों की जांच की जा सके। एसडीएम नूह विशाल कुमार ने बताया कि स्कूल बसों को चेक करने के बाद खामियां मिलीं हैं खामियां मिलने के साथ-साथ स्कूल बसों को इम्पाउंड कर दिया गया है। मौके पर सभी विभागों की टीमों मौजूद है तहसीलदार डीटीओ दैफिक पुलिस मैडिकल जांच के लिए डॉक्टर मौजूद हैं गहनता से जांच की जा रही है उन्होंने कहा नूह जिले में 240 प्राइवेट स्कूल हैं प्राइमरी से लेकर सीनियर सेकेंडरी स्कूलों के पास तक 207 बस चालू है फिटनेस चेक करने के लिए डीटीओ ऑफिस को नोटिस

जारी कर दिया है। नूह, तावड़, फिरोजपुर झिरका, पुन्हाना, नगीना और पलवल जिले की बसों को खंड स्तर पर इकट्ठा कर चेकिंग की जा रही है। सभी प्राइवेट स्कूलों के मालिकों को आदेश जारी कर दिए हैं अपनी-अपनी बसों को लेकर फिटनेस चेक कराए और सभी डॉक्यूमेंट साथ लेकर आए। इतना ही नहीं सभी ड्राइवर अपना लाइसेंस भी साथ लेकर आए। इस दौरान आरटीओ मनीष सहलग ने बताया कि अगर किसी बस के पास फिटनेस नहीं है तो कार्रवाई की जाएगी और आदेश जारी कर दिए हैं कि ऐसे बसों को रोड पर नहीं चलाए। बच्चों की सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि वाहन पॉलिसी का विशेष ध्यान रखा जाएगा एसडीएम वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बातचीत होने के साथ-साथ सभी प्राइवेट स्कूलों से एफिडेविट लिए जाएंगे, वहीं एफिडेविट सैल्फ अटस्टेट होना चाहिए।



बाल कविताएं

नशे का दुखद परिणाम

मैं बेचैन हूँ तकलीफ में हूँ।
घर की दिक्कतों से हूँ परेशान।
साथ नहीं रह पा रहा मैं।
कही ये चिंता ले ना ले मेरी
जान।।
तभी एक दोस्त मिला और कहने
लगा।
ले कर ले भाई थोड़ा नशा।।
मैं करना तो नहीं चाहता था।
पर मन चाहता थोड़ा आराम।।
वो दिन तो गुजरे मजे मजे में।
पर दूजे दिन मैं तड़प रहा था।
कोई प्यार से भी बुलाता तो।
मैं बेमतलब का भड़क रहा था।।
वो थी शुरुआत बर्बादी की मेरी।
मैं करने लगा था रोज नशा।
सोचा ना तब इसका परिणाम।।
सूख रहा था गला मेरा।
लग रही थी बार बार प्यास।
बेचैन था मैं, हो गया था मुझको।
अपनी बर्बादी का एहसास।।
हाल था मेरा बेहाल।
रोक ना पाया था मैं खुद को।
लग चुकी थी लत तब मुझको।।
मैं होने लगा था बदनाम।
उस अनजानी गलती का मैं।
अब भुगत रहा हूँ अंजाम।।

चलो एक नई शुरुआत करते हैं

चलो एक नई शुरुआत करते हैं।
ज्यादा नहीं थोड़ी खुशियाँ बेटियों के
नाम करते हैं।।
ना कभी खुद को समझे कमजोर
ऐसी ताकत देते हैं।।
सुनसान राहों में भी चल सके
अकेले, ऐसी हिम्मत देते हैं।।
चलो एक नई शुरुआत करते हैं।
ज्यादा नहीं थोड़ी खुशियाँ बेटियों के
नाम करते हैं।।
खुल के जीने का इनको एहसास
देते हैं।।
अपने सपनों को पूरा कर सके,
ऐसा अधिकार देते हैं।।
ज्यादा नहीं थोड़ी खुशियाँ बेटियों के
नाम करते हैं।।
ना समझे किसी से कम खुद को,
कभी ऐसा मान देते हैं।।
आगे बढ़ते कदमों को ना रोक पाए
कोई।।
ऐसी सब जंजीरों को तोड़ देते हैं।।
किसी के सहारे की ना हो कभी
इनको जरूरत।
इतना आगे चलो इनको भी हौसला
की उड़ान देते हैं।।
चलो एक नई शुरुआत करते हैं।
ज्यादा नहीं थोड़ी खुशियाँ बेटियों के
नाम करते हैं।।
(चरखा)



कविता
नीतू रावल



कविता
सिमरन सहनी

कुलदेवी की पूजा

शीला मन में सोचने लगी कि कम से कम
अम्मा नाराज तो नहीं हुई फिर शीला ने अपने
मन को समझाते हुए अम्मा से पूछ ही लिया
अम्मा आप क्या सोच रही हैं? सभी लोग पूजा
घर में आ चुके हैं 'माता रानी' की आरती का
समय हो रहा है चलिए आरती करते हैं।

पूजा जायसवाल

नवरात्रि यानी देवी पूजन का
पहला दिन और घर में चहल-
पहल का माहौल था। सब खुश थे
क्योंकि घर में अखंड दीप
प्रज्वलित किया जाना था। मेरी
सासू माँ, जिनको हम प्यार से
'अम्मा' भी कहते हैं। प्रातः काल
उठते ही स्नान ग्रहण कर माला पर
उनका जाप चलता ही रहता था।
उनकी 'माता' के प्रति आस्था इतनी
थी, कि वह सुबह उठते ही उनको
अपने हाथों से स्नान करवा कर
श्रृंगार करती और उनके लिए नए-
नए पकवान इत्यादि अपने हाथ से
ही बनाती इससे अम्मा को मन में
बहुत खुशी मिलती हैं। नवरात्र के
दिन यूं ही निकलते जा रहे थे।
सुबह सप्तमी वाले दिन अम्मा
स्नान करके अपनी आराम कुर्सी में
बैठ गई रोज की तरह ना पूजा पाठ
ना माला जाप किया अम्मा यूं ही

बहुत देर तक कुर्सी में बैठ कर मंद
मंद मुस्कुरा रही थी। शीला सोच
में पड़ गई कि आज अम्मा को क्या
हो गया? वह आंखें बंद करके
क्या सोच रही है? और ऐसे क्यों
मुस्कुरा रही है? वह धीरे-धीरे से
अम्मा की कुर्सी के पास गई और
डरते-डरते हिलाते हुए की कहीं
अम्मा मुझे डांट ना दे और बोली।
अम्माअम्मा..... कुछ तो बोलो
अम्मा ने आंखें खोली शीला को
लगा अब तो पक्का अम्मा मुझे
डांटेंगी और वह अम्मा की तरफ
शर्मिंदी सी सिर झुका कर खड़ी हो
गई। शीला ने देखा अम्मा की
आंखें लाल थी मगर जैसे ही शीला
ने उनके मुख पर ध्यान दिया तो
हल्की सी मुस्कुराहट देखी।
शीला मन में सोचने लगी कि
कम से कम अम्मा नाराज तो नहीं
हुई फिर शीला ने अपने मन को
समझाते हुए अम्मा से पूछ ही लिया
अम्मा आप क्या सोच रही है?



सभी लोग पूजा घर में आ चुके हैं
'माता रानी' की आरती का समय
हो रहा है चलिए आरती करते हैं।
अम्मा ने बहू की तरफ देखा
उसने अम्मा से पूछ ही लिया !
अम्मा दीदी भी तो परिवार का
हिस्सा है। अम्मा ने बोला मैंने कहा
ना बहू, बेटे और परिवार वाले !
शीला अम्मा को अजीब सी नजरों
से देखने लगी अम्मा समझ गई उस
समय जो मन-स्थिति बेटे हंसिका
की होती थी, आज वही
मन-स्थिति बहू की भी है। उसके
मन में भी हजारों प्रश्न उठ रहे
होंगे। शीला बहू का अम्मा के प्रति
मन में आक्रोश स्वाभाविक था।
शीला मन को शांत कर चुप हो
गई। अम्मा ने जब बहू की तरफ
देखा तो बहू उनको गुस्से से देख
रही थी। लेकिन अम्मा शीला बहू
को देखकर मुस्कुरा दी और शीला
के हाथ को अपने हाथ में रखकर
कहा बेटा ! यह नियम हमने नहीं
बनाए हैं लेकिन जो नियम पीढ़ी दर
पीढ़ी चले आ रहे हैं। हम उन

परिवार के लोग ही पूजा करते हैं।
शीला अचरज में पड़ गई और
गंभीरता से सोचने लगी आखिर
उसने अम्मा से पूछ ही लिया !
अम्मा दीदी भी तो परिवार का
हिस्सा है। अम्मा ने बोला मैंने कहा
ना बहू, बेटे और परिवार वाले !
शीला अम्मा को अजीब सी नजरों
से देखने लगी अम्मा समझ गई उस
समय जो मन-स्थिति बेटे हंसिका
की होती थी, आज वही
मन-स्थिति बहू की भी है। उसके
मन में भी हजारों प्रश्न उठ रहे
होंगे। शीला बहू का अम्मा के प्रति
मन में आक्रोश स्वाभाविक था।
शीला मन को शांत कर चुप हो
गई। अम्मा ने जब बहू की तरफ
देखा तो बहू उनको गुस्से से देख
रही थी। लेकिन अम्मा शीला बहू
को देखकर मुस्कुरा दी और शीला
के हाथ को अपने हाथ में रखकर
कहा बेटा ! यह नियम हमने नहीं
बनाए हैं लेकिन जो नियम पीढ़ी दर
पीढ़ी चले आ रहे हैं। हम उन

नियमों को झुठला भी नहीं सकते।
हम अपने पूर्वजों के द्वारा बनाए गए
नियमों और आस्था को जीवित
रखना चाहते हैं।
बहू कुलदेवी के पूजन का अर्थ
है ! हम अपने परिवार की, पीढ़ियों
और अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता
व्यक्त करें।
हमारे पूर्वजों के द्वारा बनाए गए
'पूजा पद्धति' को हम अपनी सोच
के जरिए बदलना नहीं चाहते। ना
हम ' महिला विरोधी' हैं ' और ना
ही ' पुरुष विरोधी' यह हमारी सोच
पर निर्भर करता है। की हम अपने
बच्चों को अपने रीति, रिवाज और
परंपराओं से अलग करवाए और जो
हमारे पूर्वजों ने हमें सिखाया उसे
हम पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ा दें।
अम्मा ! गहरी सांस लेते हुए
अपनी बहू का हाथ थामे हुए
कहती है। बहू हंसिका भी हमेशा
इसी बात पर लड़ती थी, की 'देवी
मां' भी तो एक स्त्री का रूप है फिर
मैं उनकी पूजा में क्यों शामिल नहीं

हो सकती ? हम लोग यह कहकर
इस बात को खत्म कर देते थे, कि
लड़कियाँ पराये घर की अमानत
होती है, वह दूसरे घर की बहू है,
इसलिए वह इस पूजा में नहीं बैठ
सकती है, सिर्फ घर के बेटे ही
पूजा को कर सकते हैं और वही
इस पूजा का प्रसाद ग्रहण करते हैं।
बहू पता है ! हंसिका मजाक-
मजाक में हमेशा यह गाना
गुनगुनाती थी और कहती थी अम्मा
मैं ' देवी मां ' से यह कहूंगी
की.....
जो अब किये हो दाता ऐसा ना
की जो
अगले जनम मोहे बिटिया ना
की जो
जो अब किये हो दाता ऐसा ना
की जो।।।
अम्मा ! कुछ पल के लिये शांत
हो कर बैठ गई। धीरे स्वर में कहा
चलो शीला बहू आरती का समय
हो चला सब हमारा इंतजार कर
रहे होंगे।

आओ चित्र में रंग भलें



बच्चों के लिए चुटकुले

दिवाली की शाम को तंत्रिक की पत्नी को भूत पकड़ लिया और फिर,
यह देख तंत्रिक सब काम छोड़ भूत भगाने बैठ गया

तंत्रिक- तुम कौन हो?
तंत्रिक की पत्नी- आमी मोजलिका...
तंत्रिक- क्या चाहिए?
तंत्रिक की पत्नी- 25 हजार टका
तंत्रिक- क्यों?
तंत्रिक की पत्नी-सोने की अंगूठी
खरीदनी है।
फिर...भूत की जमकर हुई कुटाई

टीचर- बच्चों पृथ्वीराज कौन थे?
बच्चा- अभिनेता राजकपूर के पिता।
टीचर- बेहोश...
टीचर- अजर गमीं लगती है तो क्या करते हो?
मोटू- मैं कूलर के पास जाकर बैठ जाता हूँ.
राज- अगर फिर भी गमीं लगती है तो क्या करते हो?
मोटू- तो फिर मैं कूलर चालू कर लेता हूँ।

संता अपने पड़ोसी दोस्त वंता से बोला, अबे आज सुबह तेरे कुत्ते ने

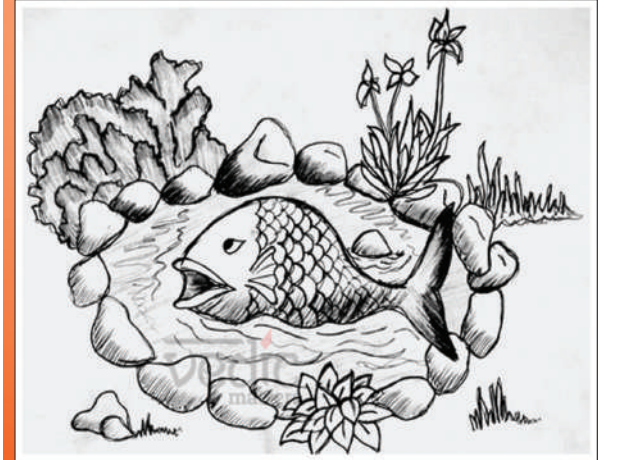
मेरी किताब फाड़ दी।
वंता- मैं उसे अभी सजा देता हूँ।
संता- रहने दे भाई, मैंने सजा दे दी है।
वंता- हैरानी से, 'कैसे?'
संता: मैंने उसके कटोरे का दूध पी लिया।



पत्नी- तुम मुझे सोते हुए गाली दे रहे
थे
संता- नहीं तुम्हें कोई
गलतफहमी हुई है
पत्नी- क्या
गलतफहमी?
संता- यही, "कि मैं सो
रहा था"
... तब से वाकई मैं
संता की नौद गायब है।

महान मत्स्य

श्रावस्ती के निकट जातक कथा की तुर्दशा देख उस महान
जेटवन में कभी एक मत्स्य की करुणा मुखर हो
जलाशय हुआ करता था। उसमें एक विशाल मत्स्य का आह्वान अपनी
वह शीलवान, दयावान और सच्छक्तिरिया के द्वारा किया। पर्जुन
सखे उसने कहा, हे पर्जुन अगर मेरा
व्रत और मेरे कर्म सत्य-संगत रहे हैं
तो कृपया बारिश करें। उसकी
सच्छक्तिरिया अचूक सिद्ध हुई। वर्षा
देव ने उसके आह्वान को स्वीकारा
और सादर तत्काल भारी बारिश
करवायी। इस प्रकार उस महान
और सत्यव्रती मत्स्य के प्रभाव से
उस जलाशय के अनेक प्राणियों के
प्राण बच गये।



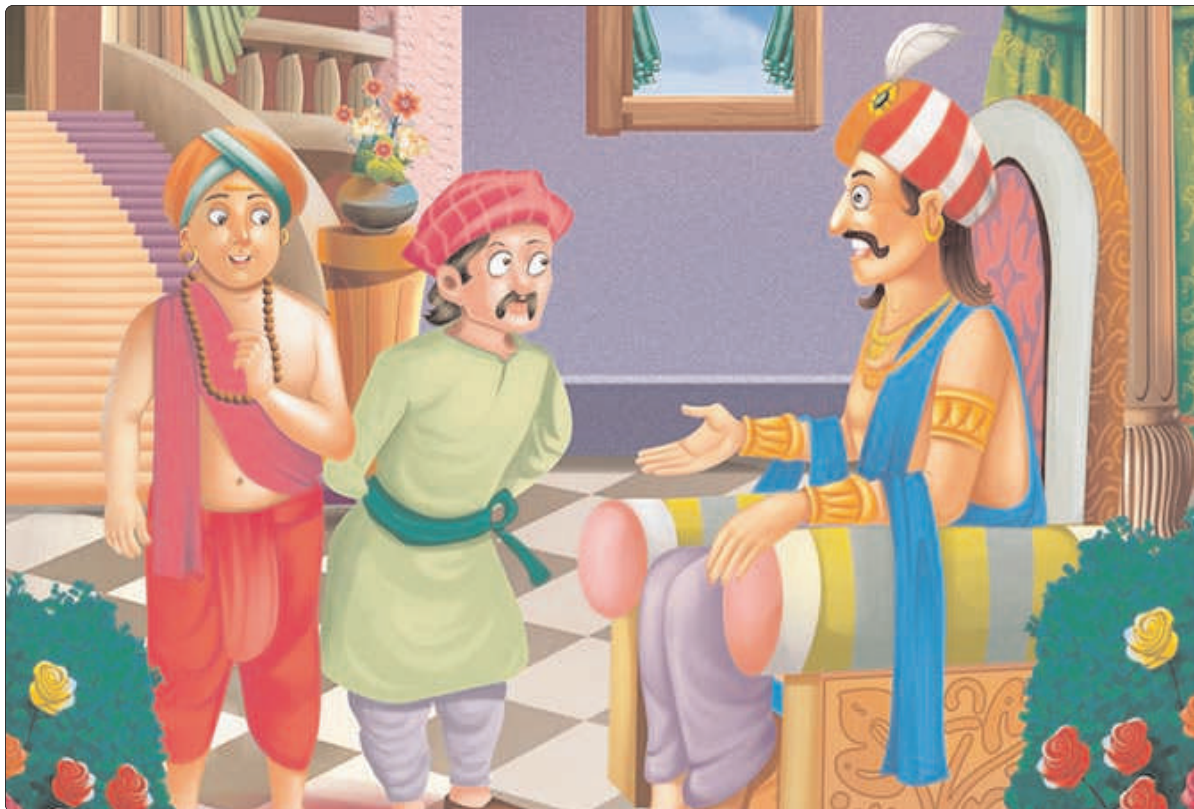
मांगने लगी। उसने राजा को सब
सच-सच बता दिया कि उसने कोई
साड़ी नहीं बनाई है। वह सबको
मूर्ख बना रही थी।
महिला की बात सुनकर राजा
को बहुत गुस्सा आया। उन्होंने उसे
जेल में डालने की सजा सुना दी,
लेकिन जब उस महिला ने बहुत
विनती की, तो उन्होंने उसे छोड़
दिया और माफ करके उसे जाने
दिया। साथ ही राजा ने तेनाली राम
की चतुराई की तारीफ भी की।
कहानी से सीखें अधिक दिनों
तक झूठ या धोखा छिपाया नहीं जा
सकता है। एक न एक दिन सच्चाई
सबसे सामने आ ही जाती है।

अद्भुत कपड़ा

कहानी

एक समय की बात है। राजा
कृष्णदेव राय विजयनगर में दरबार
लगाकर बैठे थे। उसी समय दरबार
में एक सुंदर महिला एक बक्सा
लेकर आईं। उस बक्से में एक
मखमली साड़ी थी, जिसे
निकालकर वह दरबार में राजा
और सभी दरबारियों को दिखाते
लगीं। साड़ी इतनी सुंदर थी कि जो
भी उसे देखता वह हैरान रह जाता।
महिला ने राजा से कहा कि वह
ऐसी ही सुंदर साड़ी बनाती है।
उसके पास कुछ कारीगर हैं, जो
अपनी गुप्त कलाओं से इस साड़ी
की बुनाई करते हैं। उसने राजा से
निवेदन किया कि अगर राजा उसे
कुछ धन दें, तो वह उनके लिए भी
ऐसी ही साड़ी बना देगी।
राजा कृष्णदेव राय ने महिला की
बात मान ली और उसे धन दे दिया।
महिला ने साड़ी तैयार करने के
लिए 1 साल का समय मांगा। इसके
बाद वह महिला साड़ी बुनने वाले
अपने कारीगरों के साथ राजा के
महल में रहने लगी और साड़ी की
बुनाई करने लगी।
इस दौरान उस महिला व

कारिगरों के खाने-पीने से लेकर
तमाम खर्चें राजमहल ही उठाता
था। इसी तरह 1 साल का समय
निकल गया। फिर राजा ने अपने
मंत्रियों को उस साड़ी को देखने के
लिए उस महिला के पास भेजा।
जब मंत्री कारीगर के पास गए, तो
वह देखकर हैरान रह गए। वहां दो
कारिगर बिना किसी धागे या कपड़े
के कुछ बुन रहे थे।
महिला ने बताया कि उसके
कारिगर राजा के लिए साड़ी बुन
रहे हैं, लेकिन मंत्रियों ने बताया कि
उन्हें कोई साड़ी दिखाई नहीं दे रही
है। इस पर उस महिला ने कहा कि
यह साड़ी सिर्फ वही लोग देख
सकते हैं, जिनका मन साफ हो
आए और जीवन में उन्होंने कोई पाप न
किया हो।
महिला की यह बात सुनकर
राजा के मंत्री परेशान हो गए।
उन्होंने बहाना बनाते हुए उस
महिला से कहा कि उन्होंने वह
साड़ी देख ली है और वो वहां से
चले गए। राजा के पास वापस
आकर उन्होंने कहा कि वह साड़ी
बहुत ही सुंदर है।
राजा इस बात से काफी खुश
हुए। अगले दिन उन्होंने उस



महिला को वह साड़ी लेकर दरबार
में हाजिर होने का आदेश दिया।
वह महिला एक बक्सा लिए हुए
अपने कारिगरों के साथ अगले दिन
दरबार में आ गईं। उसने दरबार में
बक्सा खोला और सबको साड़ी
दिखाते लगीं।
दरबार में बैठे सभी लोग बहुत
हैरान थे, क्योंकि राजा समेत
किसी भी दरबारी को कोई साड़ी
नहीं दिखाई दे रही थी। यह
देखकर तेनाली राम ने राजा के
कान में कहा कि उस महिला ने
झूठ बोला है। वह सभी को
बेवकूफ बना रही है।
इसके बाद तेनाली राम ने उस

महिला से कहा कि उन्हें या दरबार
में बैठे किसी भी दरबारी को यह
साड़ी दिखाई नहीं दे रही है।
तेनाली राम की यह बात सुनकर
महिला ने कहा कि यह साड़ी सिर्फ
उसी को दिखाई देगी जिसका मन
साफ होगा और उसने कोई पाप न
किया हो।
महिला को इस बात को सुनकर
तेनाली राम के मन में एक योजना
आई। उन्होंने उस महिला से कहा
राजा चाहते हैं कि तुम खुद उस
साड़ी को पहनकर दरबार में आओ
और सभी को वह साड़ी दिखाओ।
तेनाली राम की यह बात सुनकर
वह महिला राजा के सामने मांफ